अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान
ALL INDIA INSTITUTE OF AYURVEDA (AIIA)
(आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत स्वायत्त संस्थान)
(An Autonomous Organization under the Ministry of AYUSH, Govt. of India)

अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान

(आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत एक स्वायत्त संस्थान)

गौतमपुरी, सरिता विहार, नई दिल्ली- 110 076

www.aiia.gov.in

परिप्रेक्ष्य योजना

2020-2030

परिप्रेक्ष्य योजना

- आयुर्वेद तृतीयक स्वास्थ्य देखभाल के लिए उत्कृष्टता केंद्र के रूप में उत्कृष्टता प्राप्त करना
- शिक्षा, अनुसंधान और रोगी देखभाल के उच्चतम मानक स्थापित करना
- कौशल विकास कार्यक्रमों का संचालन
- अवसंरचनात्मक विस्तार
- अस्पताल की सेवाओं का संवर्धन
- सहयोग
- एकीकृत अनुसंधान
- पथ्याहार का प्रारंभण
- पर्यावरण संवर्धन कार्यकलाप
- ऊर्जा संरक्षण कार्यकलाप
- गुणवत्ता संवर्धन लेखापरीक्षा और प्रत्यायन
- सभी स्पेश्लिटी में अधिक पीजी प्रोग्रामों का प्रारंभण
- सभी स्पेश्लिटी में पीएचडी प्रोग्रामों का प्रारंभण
- सर्टिफिकेट कोर्स के साथ पाठयक्रम का संवर्धन
- सामुदायिक उत्तरदायित्व के प्रति छात्रों को संवेदनशील बनाना
- विकास के भागीदार के रूप में भूतपूर्व छात्र

निदेशक अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान,

सरिता विहार, नई दिल्ली- 110076

निदेशक की सील

अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान

(आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत एक स्वायत्त संस्थान)

गौतमपुरी, सरिता विहार, नई दिल्ली- 110 076

www.aiia.gov.in

परिप्रेक्ष्य योजनाओं का अनुपालन

2020-2030

क्रम सं.	विकास का क्षेत्र	योजनागत	प्रभावी रूप से नियोजित
01	अकादमिक	पीजी प्रोग्राम	**11** कोर्स **2017** में प्रारंभ हुए– **5** बैचों में नामांकन किया गया **1** कोर्स **2020** में प्रारंभ हुआ
		पीएचडी प्रोग्राम	**2020** में प्रारंभ हुआ
		डिग्री कोर्स 1. सामाजिक स्वास्थ्य में एम.एससी. (लोक स्वास्थ्य के लिए आयुर्वेद) **2.** आयुरकृदयोग में एम.एससी. **(**स्पोर्टस मेडिसन में आयुर्वेद एवं योग) **3.** अत्यायिक चिकित्सा में एम.एससी. **(**एकीकृत आयुर्वेद चिकित्सा आपाती प्रबंधन**)** **4.** जरा चिकित्सा में एम.एससी. **(**जरा चिकित्सा प्रबंधन के लिए आयुर्वेद**)** पथ्याहार में एम.एससी. **(**आयुर्वेदिक चिकित्सीय पोषण**)**	अभी प्रारंभ होना है

		सर्टिफिकेट कोर्स	योग फाउंडेशन सर्टिफिकेट कोर्स **2017** में प्रारंभ किया गया– **2022** तक **4** बैच पूरे किए गए
		कौशल का प्रारंभण	पंचकर्म तकनीशियन कोर्स 2016 में प्रारंभ किया गया आयुर्वेद डायटीशियन कोर्स **2022** प्रारंभ किया गया

		विकास कार्यक्रम	पोषण सहायक कोर्स 2022 में प्रारम्भ किया गया
	विकास के भागीदार के रूप में भूतपूर्व छात्र	भूतपूर्व छात्र संघ का पंजीकरण	वार्षिक भूतपूर्व छात्र बैठक भूतपूर्व छात्रों द्वारा प्लेसमेंट और मेंटरिंग/प्रेरक सत्रों में सहायता प्रदान करना
02	अवसंरचना का विस्तार	1. वर्तमान कैम्पस अवसंरचना का विस्तार 2. अस्पताल सेवाओं से सम्बंधित अवसंरचना का विस्तार 3. आवासीय सुविधाएं 4. मौजूदा सुविधाओं का विकास 5. लैब के लिए अवसंरचना की स्थापना	1. एआईआईए के चरण II परियोजना के रूप में अवसंरचना का विस्तार कार्य पहले से ही चल रहा है और इसके मार्च 2023 तक पूरा होने की संभावना है जिसमें 180 अतिरिक्त बिस्तर वाले पंचकर्म अस्पताल का ढांचा, 500 व्यक्तियों के बैठने की क्षमता वाला सभागार, फार्मेसी ब्लॉक, संकाय, स्टाफ के लिए आवासीय सुविधाएं, लड़कों और लड़कियों के छात्रावास, पुस्तकालय, आयुष खेल परिसर, अंतर्राष्ट्रीय अतिथि गृह और मेस शामिल हैं। 2. वर्तमान में एक छोटी कार्यात्मक फार्मेसी स्थापित की गई है, हालांकि आगामी चरण II में एक जीएमपी प्रमाणित फार्मेसी/उत्पादन इकाई स्थापित की जाएगी। 3. मौजूदा कक्षाएँ, विभागीय सेमिनार हॉल, मिनी ऑडिटोरियम, योग हॉल, धन्वंतरि बहुउद्देशीय हॉल, अस्पताल के सम्मेलन कक्ष पहले ही शुरू किए जा चुके हैं 4. मैन्युस्क्रिप्टोलाजी के लिए अवसंरचना, कौशल फार्माकोलॉजी एवं मोलेकुलर बायोलाजी लैब का कार्य प्रगति पर है
03	अनुसंधान	पीजी और पीएचडी स्कालरों और संकाय सदस्यों द्वारा निम्नलिखित	अब तक – स्कालर/संकाय

		अनुसंधान क्षेत्र में साक्ष्य आधारित अनुसंधान परियोजनाएं प्रारंभ करना क्लिनिकल प्रायोगिक सहयोग के साथ संकल्पनात्मक एकीकरण लोक स्वास्थ्य पहल	कुल अनुसंधान परियोजना- **400** चालू- **236** पूर्ण हुई-**164**
04	प्रकाशन	अनुसंधान दस्तावेजों, मामला रिपोर्टों, संदर्भ पुस्तकों का प्रकाशन आम जनता के लिए आईईसी/स्वास्थ्य समर्थक सामग्री का प्रकाशन	कुल प्रकाशन, अनुसंधान लेख– **382** संदर्भ पुस्तकें– **26**
05	अस्पताल	विशेषज्ञ ओपीडी के उन्नयन की योजनाएँ आईपीडी बिस्तरों की वृद्धि प्रयोगशाला सुविधाएं जांच सुविधाएं जैसेकि ईसीजी, यूएसजी,सीटीस्कैन,एमआरआई वितरण इकाई पंचकर्म सुविधा, लेबर रूम ओटी, आईसीयू सुविधा स्थापित करना एनएबीएच प्रत्यायन मेडिकल रिकार्ड विभाग का विकास आउटरीच शिविर	**2017-** कायाचिकित्सा ओपीडी, कैंसर जांच के लिए क्लिनिक, ईसीजी सुविधा, दवा वितरण इकाई की स्थापना आईपीडी की शुरुआत 10 बेड के साथ हुई **2018-** शल्य, शालक्य, पंचकर्म, स्त्री रोग प्रसूति में स्पेश्लिटी ओपीडी शुरू की गयी आईपीडी – 64 बिस्तरों तक वृद्धि की गयी प्रयोगशाला, एक्स–रे और यूएसजी की शुरूआत एनएबीएच प्रत्यायन ओटी की स्थापना ओपीडी फुटफाल– वृद्धि हुई **2019-** ओपीडी फुटफॉल 5 आंकड़ों में पहुंचा आईपीडी में 80 बिस्तर तक वृद्धि की गयी बीएमडी और सीटी स्कैन सेवाएं उपलब्ध कराई गईं आउटरीच शिविरों और कौशल निर्माण की शुरूआत **2020-** आईपीडी में 100 लेबर रूम की वृद्धि की गयी और आईसीयू चालू हो गए भविष्य की योजनाएँ– एमआरआई सेवाओं**,** कीमोथेरेपी इकाइयों**,** विशेष ओपीडी**,**

			एकीकृत निवारक कार्डियोलॉजी इकाई की स्थापना प्राकृतिक क्लिनिक, कायाकल्प इकाई, जेसीआई प्रत्यायन, पंचकर्म कॉटेज
06	सहयोग	अकादमिक, नैदानिक प्रशिक्षण/इंटर्नशिप, ऑन–द–जॉब प्रशिक्षण, परियोजना कार्य, विद्यार्थी/संकाय के आदान–प्रदान, सहयोगी अनुसंधान कार्यक्रमों आदि के लिए भारत और विदेश में संस्थानों/उद्योगों के साथ सम्बंध	कुल एमओयू- **40** राष्ट्रीय-**25** अंतर्राष्ट्रीय-**15** चल रही- **38** पूर्ण हुई -**2**
07	पर्यावरण संवर्धन कार्यकलाप/ऊर्जा संरक्षी कार्यकलाप	• ठोस अपशिष्ट प्रबंधन • तरल अपशिष्ट प्रबंधन • जैवअपशिष्ट का अपशिष्ट प्रबंधन • ई अपशिष्ट प्रबंधन • खतरनाक और रेडियोधर्मी अपशिष्ट प्रबंधन • ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों के लिए सुविधाएं • ऊर्जा संरक्षण उपकरण - सौर ऊर्जा • ग्रिड के लिए व्हीलिंग • सेंसर आधारित ऊर्जा संरक्षण • बायोगैस प्लांट • एलईडी बल्बों/पावर एफिशिऐंट उपस्कर का उपयोग	• ठोस अपशिष्ट प्रबंधन • तरल अपशिष्ट प्रबंधन • जैवअपशिष्ट का अपशिष्ट प्रबंधन • खतरनाक और रेडियोधर्मीअपशिष्ट प्रबंधन व्यवहार में है ई अपशिष्ट प्रबंधन– शीघ्र प्रारंभ होगा • ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों के लिए सुविधाएं • ऊर्जा संरक्षण उपकरण - सौर ऊर्जा, सेंसर आधारित ऊर्जा संरक्षण • एलईडी बल्बों/पावर एफिशिऐंट उपस्कर का उपयोग किया गया है ग्रिड, बायोगैस संयंत्र की व्हीलिंग अभी की जानी है
08	गुणवत्ता संवर्द्धन लेखापरीक्षा	राष्ट्रीय एजेंसियों जैसे एनएबीएच, एनएएसी, एनएबीएल, आईएसओ द्वारा प्रत्यायन	एनएबीएच प्रत्यायन और आईएसओ प्रमाणीकरण किया गया एनएएसी और एनएबीएल का अभी होना बाकी है

09	अन्य योजनाएं	1. रीजनल रा ड्रग रिपाजिटरी (आरआरडीआर) की स्थापना 2. हर्बल औषधि संग्रहालय का विस्तार 3. हर्बल, खनिज और हर्बोमिनरल फॉर्मूलेशन के फार्मास्युटिकल, गुणवत्ता और सुरक्षा पहलुओं पर सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशाला का आयोजन रोगवार वैयक्तिकृतआयुर्वेदिक पथ्याहार आईपीडी रोगियों के लिए	रीजनल रा ड्रग रिपाजिटरी (आरआरडीआर) की स्थापना की गयी है 1. हर्बल औषधि संग्रहालय का विस्तार 1. हर्बल, खनिज और हर्बोमिनरल फॉर्मूलेशन के फार्मास्युटिकल, गुणवत्ता और सुरक्षा पहलुओं पर सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है पथ्याहार खंड स्थापित है, रोगवार वैयक्तिकृत पथ्याहार अभी किया जाना है

निदेशक

अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान,

सरिता विहार, नई दिल्ली- 110076